8. Political Science

B.A. Part III 2021

प्रश्न–पत्रों की रूपरेखा

राजनीति विज्ञान के दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रश्न–पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20–25 शब्दों में देना होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

Scheme of Question Papers

There shall be two papers of political Science. Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each Question Paper shall consist of three Parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

प्रथम प्रश्न–पत्रः प्रतिनिधि पश्चिमी राजनीतिक विचारक

खण्ड 'क'

प्लेटो, अरस्तू व एक्वीनास।

खण्ड 'ख'

मेकियावली, हॉब्स, लॉक व रूसो।

खण्ड 'ग'

बेन्थम, जे. एस मिल, मार्क्स एवं हैराल्ड जे. लास्की।

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Helpstudentpoint.com

अनुशसित पुस्तके :–

जॉर्ज एच.सेबाइन : ए हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थ्योरी (हिन्दी व अंग्रेजी)
सी एल वेपर : पोलिटिकल थॉट
जे.पी.सूद : वेस्टर्न पोलिटिकल थॉट
फॉस्टर : मास्टर्स ऑफ पोलिटिकल थॉट
डनिंग : हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थॉट
पी.डी शर्मा : राजनीतिक विचारक
पुखराज जैन : कतिपय प्रमुख राजनीतिक विचारक
डनिंग : ए हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थ्योरीज
एफ. डब्लू. कोकर : रीसेन्ट पोलिटिकल थॉट

Paper I : Representative Western Political Thinkers

Section-A

Plato, Aristotle and Aquinas.

Section-B

Machiavelli, Hobbes, Locke, and Rousseau.

Section-C

Bentham, J.S. Mill, Karl Marx and Harold J. Laski.

Books recommended :

A. Hacker : Political Theory
G.H. Sabine : History of Political Theory
C.L. Wayper : Political Thought
Foster : Master of Political Thought Vol. I
Jones : Master of Political Thought Vol. II
Lancaster : Master of Political Thought Vol. III
Chaddha : Pramukh Rajnitik Vicharak (Adarsh Prakashan)
P.D. Sharma : Pratinidhi Rajnitik Vicharak
Pukh Raj Jain : Katipay Pramukh Rajnitik Vicharak

द्वितीय प्रश्न– पत्रः द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एवं भारतीय विदेश नीति

खण्ड 'क'

द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय प्रवृतियाँ, शीत युद्ध, एवं इसके विभिन्न चरण, संयुक्त राष्ट्र संघः संगठन, कार्यप्रणाली एंव भूमिका, संयुक्त राज्य अमेरिका व तृतीय विश्व, साम्यवादी खेमे का विघटन, यूरोप का पुनर्गठन।

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Helpstudentpoint.com

खण्ड 'ख'

भारत की विदेश नीतिः निर्धारक तत्त्व, भारत एवं संयुक्त राष्ट्र, गुट निरपेक्ष आंदोलन एवं वर्तमान में प्रासंगिकता, पूर्व की और देखो नीति, भारत के पडौसी देश एवं प्रमुख शक्तियों (अमेरिका, रूस, चीन) के साथ सम्बन्ध, समसामयिक बहुध्रुवीय विश्व में भारत।

खण्ड 'ग'

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में सम–सामयिक प्रवृतियाँ व मुद्दे, पश्चिमी एशिया की राजनीति, नवीन विश्व अर्थव्यवस्था, क्षेत्रीय सहयोग संगठनः आसियान (दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्र संगठन) एवं सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन)ब्रिक्स, इब्सा, संयुक्त राष्ट्र में सुधार की मांग एवं संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता, समसामयिक वैश्विक मुद्देः मानव अधिकार, पर्यावरणीय मुद्दे, लैंगिक न्याय, आंतकवाद, परमाणु प्रसार।

अनुशंसित पुस्तके :

ब्लेक एण्ड थॉमसन : फारेन पॉलिसी

जॉरडन कॉनेल स्मिथ : पेन्टर्स परसेप्शन ऑव दी डवलपिंग सिंस 1982।

डैनियन एस.पप : सोवियत परसेप्शन ऑव दी डवलपिंग वर्ल्ड इन 1980।

डॉ मथुरालाल शर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध 1945 से अब तक।

महेन्द्र कुमार : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धांतिक पक्ष (हिन्दी व अग्रेंजी)

पी.के.चड्डा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (आदर्श प्रकाशन, चौडा रास्ता जयपुर)

बाबूलाल फाडिया : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

पुखराज जैन : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

दीनानाथ वर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

एस.एम. धर : इंटरनेशनल पॉलिटिक्स सिंस 1949

हरिदत्त वेदालंकार : इंटरनेशनल पॉलिटिक्स

Paper II : International Relations since World War –II and Indian Foreign Policy

Section-A

Post War International Development: Cold War & its different Phases, U.N.O : Organization, Working and role, U.S.A and Third World, Collapse of Communist Block, Reorganisation of Europe.

Section-B

Indian Foreign Policy : Determinants of Foreign Policy, India and UN, NAM and its relevance in Contemporary World, India's Look East Policy, India's relations with neighbourhood & with major powers (U.S.A., Russia and China), India in Contemporary multi-polar world.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Helpstudentpoint.com

Section-C

Contemporary Trends and Issues in International Politics, Politics of West Asia, New International Economic Order, Associations of Regional Co-operation in Asia: ASEAN, SAARC, BRICS, IBSA, Demand for reform in UN & India for permanent seat of UN, Contemporary Global Issues : Human Rights, Environmental Issues, Gender Justice, Terrorism, Nuclear Proliferation.

Books recommended:

Black & Thomas Foreign Policy

Jorden Connel Smith : Patterns of the post World War 1982

S.M. Dhar: International Problem & World Politics since 1949

Denil S. Papp : Soviet Perception of the Developing world in 1980

Haridutt Vedleanker : International Politics

Dr. Mathuralal Sharma : International Relation (since 1945)

Dinanath Verma : Antar Rashtriya Sambandha

Mahendra Kumar : Theoretical Aspects of International Politics

P.K Chaddha : Antar Rashtriya Sambandh (Adarsh Prakashan Choura Rasta, Jaipur)

Palmer and Perkins : International Relation

Hans Morgenthau : Politics among Nation

Babulal Fadiya : Antar Rashtriya Sambandh

Pukhraj Jain : Antar Rashtriya Sambandh

Helpstudentpoint.com

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur